भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा

30.07.2025 के
तारांकित प्रश्न सं. 155 का उत्तर

राजस्थान के फुलेरा में कॉनकॉर परियोजनाएं

***155. श्री राव राजेन्द्र सिंह:**

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार के पास भारतीय कंटेनर निगम लिमिटेड द्वारा विनिर्मित कंटेनरों की संख्या के संबंध में वर्ष-वार आंकड़े हैं;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार के पास कॉनकॉर (सीओएनसीओआर) द्वारा विगत दस वर्षों के दौरान शुरू की गई परियोजनाओं की संख्या और पैमाने के संबंध में राज्य-वार आंकड़े हैं;

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ङ) क्या कॉनकॉर द्वारा फुलेरा, राजस्थान में ऐसी कोई परियोजना शुरू की गई थी; और

(च) यदि हां, तो उक्त परियोजना की प्रगति सहित तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री
(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (च): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

****

दिनांक 30.07.2025 को लोक सभा के तारांकित प्रश्न सं. 155 के भाग (क) से (च) के उत्तर से संबंधित विवरण।

(क) से (च): रेल मंत्रालय के अधीन भारतीय कंटेनर निगम लिमिटेड (कॉनकॉर) केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र का एक नवरत्न उद्यम है, जो मल्टीमोडाल कार्गो परिसरों, गोदामों, अनुबद्ध सुविधाओं आदि का प्रबंधन करते हुए कंटेनरों के घरेलू और निर्यात-आयात के यातायात के लिए अंतर्देशीय रेल परिवहन के माध्यम से भारत में कंटेनरीकृत माल के परिवहन को बढ़ावा देता है और ग्राहकों को मूल्यवर्धित लॉजिस्टिक सेवाएं प्रदान करता है।

भारतीय कंटेनर निगम लिमिटेड (कॉनकॉर) में कंटेनरों का विनिर्माण नहीं किया जाता। हालाँकि, कॉनकॉर द्वारा वर्ष 2023 से 2025 तक विभिन्न स्वदेशी विनिर्माताओं के माध्यम से 19,074 कंटेनर खरीदे गए हैं।

पिछले 10 वर्षों के दौरान कॉनकॉर द्वारा कमीशन किए गए टर्मिनलों की राज्य-वार संख्या निम्नानुसार है:-

राज्य	कमीशन किए गए टर्मिनलों की संख्या
उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, केरल, मध्य प्रदेश, गोवा, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, हरियाणा, तमिलनाडु, त्रिपुरा	प्रत्येक में 1
राजस्थान, कर्नाटक	प्रत्येक में 2
ओडिशा, आंध्र प्रदेश, पंजाब	प्रत्येक में 3
गुजरात	4

कॉनकॉर ने फुलेरा में एक अंतर्देशीय कंटेनर डिपो (आईसीडी) स्थापित करने की परिकल्पना की थी। हालाँकि, अपर्याप्त मांग को देखते हुए, फुलेरा में परियोजना को आगे नहीं बढ़ाया जा सका।

*****